IJNRD.ORG ISSN : 2456-4184
INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD) | IJNRD.ORG
An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

"बी0एड0 प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन"

डॉ0 रश्मि जादौन
एम0एस0सी0 (वनस्पति विज्ञान)
एम0एड0, पी0एच0डी0 (शिक्षाशास्त्र)
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी।

शोध सारांश –

प्रस्तुत शोध अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी से सम्बद्ध झाँसी मण्डल के जिला जालौन, झाँसी, ललितपुर के अन्तर्गत आने वाले बी0एड0 प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना था। प्रस्तुत शोध कार्य के लिये शोधार्थी ने झाँसी मण्डल के जिला जालौन, झाँसी, ललितपुर के 5 कॉलेजो से 100 प्रशिक्षुओं को बहुस्तरीय यादृच्छिक प्रतिचयन की लॉटरी तकनीक का प्रयोग करके चयनित किया है। आँकडों का संकलन करने के लिये डॉ0 एस0के0 मंगल तथा शुब्रा मंगल द्वारा निर्मित Emotional Intelligence Inventory (EII-MM) का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पनाओं के विश्लेषण के लिये C.R. परीक्षण का प्रयोग किया गया है। परिकल्पनाओं के आधार पर पाया गया कि बी0एड0 महिला एवं पुरुष प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

शब्द कुंजी – संवेगात्मक बुद्धि, महिला, पुरुष, बी० एड० प्रशिक्षु।

प्रस्तावना –

संवेगात्मक बुद्धि के द्वारा मनुष्य अपने 'सामाजिक वातावरण से समायोजन करने तथा अन्य व्यक्तियों के साथ भावात्मक सम्बन्ध बनाने में सक्षम होता है। इस बुद्धि की सहायता से व्यक्ति अपने संवेगों को नियन्त्रित करके धैर्य के साथ कार्य करने में सफल होता है। संवेगात्मक बुद्धि व्यक्तियों को कठिन परिस्थितियों में जोश में होश खोने से बचाती है अर्थात् आवेग में आकर जब व्यक्ति अपनी चेतन अवस्था से हटने लगता है। तब संवेगात्मक बुद्धि मनुष्य को व्यवस्थित करने में सहायता करती है। भावात्मक बुद्धि के द्वारा व्यक्ति स्वयं में उपस्थित अन्तःशक्तियों को पहचानकर अपने लक्ष्य में आयी रूकावटों को नकारते हुये अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। परिवार, विद्यालय तथा समाज में हर कार्य धैर्य के साथ हो और समाज के हर सदस्य एक दूसरे के साथ सामंजस्य पूर्ण व्यवहार करें, उसके लिए संवेगात्मक बुद्धि अत्यन्त

आवश्यक है। व्यक्ति के जीवन में अनेक प्रकार की अनुकूल एवं प्रतिकूल परिस्थितियाँ आती है। जिसका उसे सामना करना पड़ता है। अनुकूल एवं प्रतिकूल परिस्थितियों में समायोजन स्थापित करने के लिये संवेगात्मक बुद्धि आवश्यक होती है। शोधार्थी को प्रस्तुत समस्या से सम्बन्धित बी०एड० स्तर पर बहुत कम अध्ययन प्राप्त हुये तथा इन अध्ययनों के निष्कर्ष में भी विभिन्नता देखने को मिली। जिससे शोधार्थी को प्रस्तुत विषय पर शोधकार्य करने की जिज्ञासा हुयी।

अध्ययन के उद्देश्य– प्रस्तुत शोध अध्ययन का उद्देश्य बी० एड0 महिला एवं पुरुष प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना है।

अध्ययन की परिकल्पनायें –

बी0एड0 महिला एवं पुरुष प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

अध्ययन की परिसीमायें–

1. शोध अध्ययन में बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी से सम्बद्ध बी0एड0 कॉलेजो को लिया गया है।
2. इस शोध अध्ययन में बी० एड० पाठ्यक्रम में अध्ययनरत द्वितीय वर्ष के प्रशिक्षुओं को लिया गया है।
3. शोध अध्ययन में 100 प्रशिक्षुओं का न्यादर्श बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी से सम्बद्ध बी० एड० कॉलेजों से लिया गया है।
4. यह शोध अध्ययन उत्तर प्रदेश राज्य के बुन्देलखण्ड क्षेत्र के झाँसी मण्डल तक सीमित है।
5. इस शोध अध्ययन में बी0एड0 छात्राध्यापिकाओं और छात्राध्यापकों को न्यादर्श के रूप मे लिया गया है।

समस्या कथन –

"बी0एड0 प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि का तुलनात्मक अध्ययन"

समस्या में प्रयुक्त चरों का परिभाषीकरण :–

बी०एड० प्रशिक्षु – बी0एड0 प्रशिक्षु से तात्पर्य स्नातक स्तर की परीक्षा सफलतापूर्वक उर्त्तीण करने के बाद उच्च प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर शिक्षण करने वाले भावी शिक्षकों से हैं।

संवेगात्मक बुद्धि – संवेगात्मक बुद्धि से तात्पर्य बी0एड0 प्रशिक्षुओं की अनुकूल एवं प्रतिकूल परिस्थितियों में अपने संवेगों में सन्तुलन स्थापित करने से है। भावनात्मक बुद्धि के द्वारा व्यक्ति स्वयं के संवेगों तथा दूसरों के संवेगों को जानने का प्रयास करते है तथा संवेगात्मक बुद्धि व्यक्ति के व्यक्तिगत संवेगों के प्रबन्धन तथा दूसरों के व्यक्तिगत संवेगों के प्रबन्धन में सहायता करती है। शोधार्थी ने बी0एड0 प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन निम्न घटकों के द्वारा किया है।

1. अन्तः वैयक्तिक जागरूकता (स्वयं की भावनाओं)
2. अन्तर वैयक्तिक जागरुकता (दूसरों की भावनाओं)
3. अन्तः वैयक्तिक प्रबन्धन (स्वयं की भावनाओं)
4. अन्तर वैयक्तिक प्रबन्धन (दूसरों की भावनाओं)

सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन–

1. **जी० सिसोदिया, बी० एल० कोटिया (2009)** ने अपने शोध अध्ययन के निष्कर्ष में पाया कि आन्तरिक नियन्त्रण अभिविन्यास वाली महिला शिक्षकों ने भावनात्मक बुद्धिमत्ता पर उच्च स्कोर बनाया और बाहरी नियन्त्रण अभिविन्यास वाली महिला शिक्षकों ने भावनात्मक बुद्धि कर कम स्कोर प्राप्त किया।

2. **सारह, बसु (2010)** ने निष्कर्ष में पाया कि माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धिमत्ता उनके शिक्षण प्रभावशीलता के साथ सकारात्मक रुप से सम्बन्धित पायी गयी।

3 **डॉ इन्दिरा शर्मा (2011)** ने निष्कर्ष में पाया कि किशोरियाँ किशोरों की तुलना में भावनात्मक रूप से अधिक बुद्धिमान है।

4 **श्वेता दीक्षित एवं कचंन दीक्षित – (2016)** ने निष्कर्ष में पाया कि उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है। उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों के प्रतिबल एवं संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

5 **इंगिन मेलिह (2017)** ने निष्कर्ष प्राप्त किया कि विद्यार्थियों की ऑनलाइन सीखने की तत्परता और व्यक्ति के भावनात्मक बुद्धि आयामों के बीच एक सार्थक सम्बन्ध था।

6 **कुमार, सुनीता अग्रवाल (2013)** ने निष्कर्ष में प्राप्त किया कि शहरी छात्र तथा छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धिमत्ता का उनकी सृजनात्मकता पर निम्न धनात्मक प्रभाव पड़ता है। ग्रामीण छात्र तथा छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धिमत्ता का उनकी सृजनात्मकता पर निम्न धनात्मक प्रभाव पड़ता है।

7 **टेलर, सार, जे0 (2019)** ने पाया कि शिक्षक की भावनात्क बुद्धि और संस्कृति से सम्बन्धित विश्वासों के बीच एक महत्वपूर्ण सम्बन्ध पाया गया।

शोध विधि– शोधार्थी द्वारा अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिये सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

प्रतिदर्श– प्रस्तुत शोध के प्रतिदर्श के लिये बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी से सम्बद्ध झाँसी मण्डल के जिला जालौन, झाँसी, ललितपुर के 5 कॉलेजों से 100 प्रशिक्षुओं का प्रतिदर्श बहुस्तरीय यादृच्छिक प्रतिचयन विधि की लॉटरी तकनीकी का प्रयोग करके चुना गया है। जिसमें 50 महिला व 50 पुरूष प्रशिक्षु सम्मिलित है।

उपकरण– शोधार्थी द्वारा प्रस्तुत शोध अध्ययन में संवेगात्मक बुद्धि को मापने के लिये डॉ0 एस0के0 मंगल तथा शुब्रा मंगल द्वारा निर्मित Emotional Intelligence Inventory (EII-MM) का प्रयोग किया गया है। यह इन्वेट्री 4 आयामों में बँटी है।

1. **अन्तः वैयक्तिक जागरूकता**
2. **अन्तर वैयक्तिक जागरुकता**
3. **अन्तः वैयक्तिक प्रबन्धन**
4. **अन्तर वैयक्तिक प्रबन्धन**

सांख्यिकीय प्रविधियॉ – शोधार्थी ने शोध अध्ययन के लिये मध्यमान, मानक विचलन तथा C.R. परीक्षण का प्रयोग किया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या –

1. **परिकल्पना–** बी0एड0 महिला एवं पुरूष प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नही है।

सारिणी– 1

N	M	SD	C.R.	d.f.	Significant Level
50 महिला प्रशिक्षु	184.1	30.15	1.56	98	0.5 (1.98)
50 पुरूष प्रशिक्षु	194.6	36.9			0.1 (2.63)

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि महिला प्रशिक्षुओं का मध्यमान 184.1 है। पुरूष प्रशिक्षुओं का मध्यमान 194.6 है तथा महिला प्रशिक्षुओं का मानक विचलन मान 30.15 है और पुरूष प्रशिक्षुओं का मानक विचलन 36.9 है। d.f. 98 पर 0.5 सार्थकता स्तर t मूल्य 1.98 तथा 0.1 सार्थकता स्तर पर t मूल्य 2.63 है। गणना करने से प्राप्त क्रान्तिक अनुपात का मान 1.56 है जो 0.5 स्तर तथा 0.1 स्तर पर सार्थकता स्तर से कम है। इन दोनों स्तरों पर शून्य परिकल्पना स्वीकृत की गयी। अतः यह स्पष्ट करता है कि बी0एड0 महिला एवं पुरूष प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नहीं है।

निष्कर्ष–

बी0एड0 महिला एवं पुरूष प्रशिक्षुओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर नही पाया गया।

सुझाव–

1. विद्यालय में उत्तम स्वस्थ्य समान व संवेगात्मक वातावरण बनाये रखने का प्रयास किया जाना चाहिये।
2. प्रशिक्षुओं को खुद के कार्यों का मूल्यांकन करना चाहिये। उन्होने 24 घण्टे की दिनचर्या में जो किया है उसका उन्हें स्वयं मूल्यांकन करना चाहिए कि 24 घण्टों में उन्होने कितने अच्छे कार्य किये तथा कितने खराब कार्य किये। जिससे उन्हें अपने संवेगों को समझने तथा दूसरों के संवेगों को समझने का मौका मिलेगा।
3. किसी काम को करने के लिये बेहतर रणनीति बनायें और उसके अनुसार कार्य करें। ऐसा करने से प्रशिक्षु अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल होगें।
4. प्रशिक्षुओं को कुछ ऐसी प्रेरणादायक पत्र, पत्रिकायें या कहानियॉ पढ़नी चाहिये जिससे उनके ज्ञान में वृद्धि हो सके तथा संवेगों को समझने में सहायता मिले।
5. प्रशिक्षुओं को शैक्षिक भ्रमण के लिये ऐसे पर्यटक स्थलों पर अपने परिवार के सदस्यों के साथ जाना चाहिये। जहॉ वे उनके साथ अच्छे से अन्तःक्रिया कर सकें।
6. प्रशिक्षुओं को अपनी जीवन शैली में सन्तुलित भोजन और स्वास्थ्य वर्धक पोषक पदार्थ खाने चाहिये। जिससे उनका स्वास्थ्य सही रहे। स्वास्थ्य सही होगा तो वो मानसिक रूप से स्वस्थ होगें। सोचने समझने स्वयं मूल्यांकन तथा दूसरे के संवेगो को समझने की शक्ति बढ़ेगी। जिससे उनके समाज में सम्बन्ध अच्छे रहेगें। विद्यालयों में भी छात्रों और अन्य अध्यापकों से अन्तःक्रिया अच्छे से कर पायेगें।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. माथुर, एस0एस0 .(2009). शिक्षा मनोविज्ञान. विनोद पुस्तक मन्दिर : आगरा–2
2. दुबे, मनीष और डॉ0 विभा दुबे .(2010). उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक. शारदा पुस्तक भवनः इलाहाबाद।
3. गुप्ता, एस0पी0 .(2014). अनुसंधान संदर्शिका . इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन।
4. सिसोदिया, जी0बी0एल0 कोटिया .(2009). भावनात्मक बुद्धि और मुख्यधारा और विशेष स्कूल के महिला शिक्षकों के नियन्त्रण का ठिकाना, बिहेवियरल साइंटिस्ट (द्वि वार्षिक सन्दर्भित जर्नल) 2009. Vol10, Num 2, Pp113-118
5. बसु, सारह .(2010). माध्यमिक स्कूल के शिक्षकों की भावनात्मक बुद्धि और शिक्षक की प्रभावशीलता . अध्यापक शिक्षा के भारतीय जर्नल अन्वेषिका, एन0सी0टी0ई0, नई दिल्ली, जून 2010, Vol7, Num 1, ISSN 09747702, Pp 49-55

6. शर्मा, इंन्दिरा .(2011). किशोरों और किशोरियों के बीच भावनात्मक बुद्धि और शैक्षणिक प्रदर्शन के बीच सम्बन्ध, मानविकी और सामाजिक विज्ञान अन्तःविषय दृष्टिकोण अर्धवार्षिक, बहुभाषी अनुसंधान, एजुकेशनल सोसाइटी फॉर रिसर्च एण्ड डिवलपमेंट, दिसम्बर 2015 Vol 07, ISSUE -02, ISSN 0975-7090, Pp 530-535

7. कुमार, सुशील और सुनीता अग्रवाल .(2013). माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धिमत्ता का उनकी सृजनात्मकता पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन . शोध धारा, मानविकी और सामाजिक विज्ञान का त्रैमासिक शोध जर्नल, शैक्षिक एवं अनुसंधान संस्थान, उरई जालौन, यू0पी0 द्वारा प्रकाशित, दिसम्बर 2013, Vol 4, Num 1, ISSN 0975-3664, Pp 25-30

8. दीक्षित, श्वेता एवं कंचन दीक्षित .(2016). उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों मे प्रतिबल एवं संवेगात्मक बुद्धि का अध्ययन. मानविकी और सामाजिक विज्ञान अन्तःविषय दृष्टिकोण अर्धवार्षिक बहुभाषी अनुसंधान जर्नल, Vol4, ISSUE-1, June 2014, ISSN 0975-7090, Pp 68-70

9. इंगिन, मेलिह .(2017). छात्रों के ऑनलाईन लर्निंग का विश्लेषण उनके भावनात्मक बुद्धि स्तर पर आधारित है. यूनिवर्सल जर्नल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च, ERIC No EJ1165504, ISSN 2332-3205, Pp 32-40

10. टेलर, सारा जे0 .(2019). प्राथमिक कक्षा में शिक्षक की भावनात्मक बुद्धि और सामाजिक भावनात्मक रूप से सीखने के बीच सम्बन्धों की खोज .प्रो0 क्विेस्ट एल0एल0सी0डी0 निबंध, दक्षिणी कनेक्टिकट राज्य विश्वविद्यालय, ERIC No ED597694, 2019, ISBN 978-13 9221-2171-9, Pp 144-145

International Research Journal
IJNRD
Research Through Innovation